Mahamaya Ashtaka Gitam

महामायाष्टकगीतम्

Document Information

Text title : Mahamaya Ashtaka Gitam

File name : mahAmAyAShTakagItam.itx

Category : devii, sanskritgeet, aShTaka

Location : doc_devii

Author : Krishnadas

Latest update : October 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

October 11, 2024

sanskritdocuments.org

महामायाष्टकगीतम्

भद्रकाली विश्वमाता जगत्स्रोतकारिणी
शिवपत्नी पापहर्त्री सर्वभूततारिणी
स्कन्दमाता शिवा शिवा सर्वसृष्टिधारिणी
नमः नमः महामाया ! हिमालयनन्दिनी ॥ १॥

नारीणां च शङ्खिन्यापि हस्तिनी वा चित्रिणी
पद्मगन्धा पुष्परूपा सम्मोहिनी पद्मिनी
मातृ पुत्री भग्नि भार्या सर्वरूपा भवानी
नमः नमः महामाया ! भवभयखण्डिनी ॥ २॥

पाप ताप भव भय भूतेश्वरी कामिनी
तवकृपा सर्वक्षय सर्वजना अन्दिनी
प्रेम प्रीति लज्ज न्याय नारीणां च मोहिनी
नमः नमः महामाया ! ऋण्डमाला धारिणी ॥ ३॥

खड्ग चक्र हस्तेधारी शङ्खिनी सुनादिनी
सम्मोहना रूपा नारी हृदयविदारिणी
अहङ्कार कामरूपा भुवनविलासिनी
नमः नमः महामाया ! जगतप्रकाशिनी ॥ ४॥

लह्व लह्व तव जिह्वा पापासुरमर्दिनी
खण्ड गण्ड मुण्ड स्पृहा शोभाकान्तिवर्धिनी
अङ्ग भङ्ग रङ्ग काया मायाछन्दछन्दिनी
नमः नमः महामाया ! दुःखशोकनाशिनी ॥ ५॥

धन जन तन मान रूपेण त्वं संस्थिता
काम क्रोध लोभ मोह मद वापि मूढता
निद्राहार काम भय पशुतुल्य जीवनात्
नमः नमः महामाया ! कुरु मुक्त बन्धनात् ॥ ६॥

मैत्री दया लक्ष्मी वृत्ति अन्ते जीव लक्षणा
लज्जा-छाया-तृष्णा-क्षुधा-बन्धनस्य-कारणा
तुष्टि-बुद्धि-श्रद्धा-भक्ति-सदा-मुक्तिदायिका
शान्ति-भ्रान्ति-क्लान्ति-क्षान्ति तव रूपा अनेका
प्रीति-स्मृति-जाति-शक्तिरूपा माया अभेद्या
नमः नमः महामाया ! नमस्त्वं महाविद्या ॥ ७॥

नवदुर्गा महाकाली सर्वाङ्गभूषावृत्तां
भुवनेश्वरी मातङ्गी हन्तु मधुकैटभं
विमला तारा षोऽडशी हस्ते खड्गधारिणी
धुमावति मा बगला महिषासुरमर्दिनी
बालात्रिपुरसुन्दरी त्रिभुवनमोहिनी
नमः नमः महामाया ! सर्वदुःखहारिणी ॥ ८॥

मम माता लोके मर्त्त्य कृष्णदासः तव भृत्त्य
यदा तदा यथा तथा माया छिन्न मोक्षकथा
सदा सदा तव भिक्षा कृपा दीने भव रक्षा
नमः नमः महामाया कृष्णदासे तव दया ॥ ९॥

यः पठति सः भवसागर निस्तरति ॥

॥ इति श्रीकृष्णदासविरचिता महामायाष्टकगीतं सम्पूर्णम् ॥

Mahamaya Ashtaka Gitam

pdf was typeset on October 11, 2024

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*